Raj Express (Indore), 18th February 2021, Page-11

आयोजन

मुख्य अतिथि1997 के भौतिकी में नोबेल विजेता प्रोफेसर विलियम डैनियल फिलिप्स थे

आईआईटी में ऑनलाइन मोड में मनाया स्थापना दिवस

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने बुधवार को ऑनलाइन मोड में संस्थान का 12वां स्थापना दिवस मनाया। बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर विलियम डैनियल फिलिप्स, भौतिकी में नोबेल विजेता (1997) थे। प्रोफेसर दीपक बी.फाटक, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स गेस्ट ऑफ ऑनर और प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक, कार्यवाहक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

प्रोफेसर फिलिप्स ने ए न्यू मेज़रः द रिवॉल्यूटिनरी क्वांटम रिफॉर्म ऑफ द इंटरनेशनल मेट्रिक सिस्टम पर चर्चा की। चर्चा में माप के अंतर्राष्ट्रीय मेट्रिक प्रणाली के नए सुधारों के बारे में जानकारी दी। मेट्रिक प्रणाली का इतिहास, प्रबुद्धता के काल के दौरान, प्रकृति से प्राप्त लंबाई और

वजन के उपायों के साथ-साथ उनके दशमलव गुणकों व अंशों के साथ शुरु हुआ। यह प्रणाली आधी शताब्दी के भीतर फ्रांस व यूरोप का मानक बन गई, लेकिन हम माप का एक मानक चाहते थे जो निरंतर और विश्वसनीय था। इसलिए समय आंकने के लिए पृथ्वी से परमाणु घड़ियों में बदलाव किया गया। उन्होंने कहा 1960 में जिस वर्ष लेजर का अविष्कार किया गया था, एक क्रिप्टन लैंप से मीटर को एक निश्चित संख्या में प्रकाश की तरंग दैर्ध्य के रुप में फिर से परिभाषित किया गया था, लेकिन जल्द ही क्रिप्टोन से उस प्रकाश की शुद्धता को माप के लिए अपर्याप्त पाया गया, इसलिए एकता अनुपात के साथ अन्य उपायों को जोड़ा गया था और सिस्टम दुनियाभर में अपनाया गया था। पद्म भूषण प्रोफेसर एन.के. गांगुली, पूर्व महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार ने भी कोविड टीकाकरण में वर्तमान चुनौतियां और हम टीका कैसे चुनें पर चर्चा की।

दो नई सुविधाएं दी

बढ़ते बुनियादी ढांचे में प्रोफसर जैन ने दो नई सुविधाएं दी। क्षिप्रा आवासीय इकाई में संस्थान के संकाय और कर्मचारियों के लिए प्रत्येक 3 और 2 बीएचके आवास के 27 प्रतिष्ठान है। इससे परिसर के अंदर संकाय सदस्यों व कर्मचारी अंदर शिफ्ट हो सकते हैं और इस तरह उन्हें आने-जाने के समय की बचत होगी। हीटिंग, वैंटिलेशन और एचवीएसी संयंत्र को परिसर के सभी प्रतिष्ठानों को तापमान नियंत्रित हवा प्रदान करने के लिए भी उद्घाटन किया गया। इस सुविधा में एक केंद्रीकृत एयर कूलिंग सिस्टम होगा, जिससे व्यक्तिगत एसी की आवश्यकता को बचाया जा सकेगा। प्रोफेसर जैन ने एक संकाय पुस्तिका जिसमें नियमों व विनियमों के संक्षिप्त संस्करण शामिल हैं उसे जारी किया।